Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

ASCI
Agriculture Skill Council of India

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHI P

हुनर एक...
...अवसर अनेक

“हमें स्किल इंडिया अभियान को गति देने की जरूरत है और मैं अधिक से अधिक युवाओं को आगे आने और उन्हें दिए जा रहे इन अवसरों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करूंगा।

श्री धर्मेंद्र प्रधान
माननीय मंत्री
कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई)

“स्किल इंडिया सबसे प्रेरक मिशनों में से एक है। यह बहुत सक्रिय, अच्छी तरह से वित्त पोषित, और भारत सरकार के ठोस रूप से समर्थित कार्यक्रम रहता है। स्किलिंग, सरकार और उद्योग के बीच एक सहयोगी प्रयास होना चाहिए।

श्री राजीव चंद्रशेखर
माननीय राज्य मंत्री
कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई)

एग्रिकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया

एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वावधान में काम कर रहा है, जिसका उद्देश्य कौशल की कमियों को दूर करके कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में क्षमता का निर्माण करना और मौजूदा और संभावित कार्यशक्ति का संवर्धन करना है। हम राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं ताकि किसानों, खेत एवं दिहाड़ीदार मजदूरों, स्व–रोजगार करने वालों और विभिन्न संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे अतिरिक्त कर्मियों के जीवनयापन में सुधार किया जा सके। इसमें निम्न शामिल हैं।

खेती

- खेती का मशीनीकरण और वैज्ञानिक खेती
- सुगम बागवानी और लैंडस्केपिंग
- उत्पादन बागवानी
- कृषि फसल उत्पादन
- फसल के बाद सप्लाई चेन प्रबंधन
- कृषि इनपुट जैसे बीज, कीटनाशक और उर्वरक
- मिट्टी स्वास्थ्य प्रबंधन
- वस्तु प्रबंधन
- कृषि व्यापार और ग्रामीण उपक्रम
- कृषि –सूचना प्रबंधन

पशुपालन, डेयरी, मछली पालन

- डेयरी फार्म प्रबंधन
- पॉल्ट्री फार्म प्रबंधन
- मछली पकड़ना (समुद्री, भीतरी जल निकाय और मत्स्य पालन)

अन्य सहयोगी क्षेत्र

- मधुमक्खी पालन
- रेषम उत्पादन
- मषरूम उत्पादन
- केंचूआ खाद निर्माण

ग्रामीण विकास

- बेयरफूट तकनीसियन
- जल प्रबंधन
- कृषि वन
- गैर–लकड़ी वन उत्पाद

लक्ष्य

कृषि और सहयोगी क्षेत्रों में मजबूत कौषल और व्यापारिक विकास के लिए एक चिरस्थायी उद्योग सहयोगी इकोसिस्टम का निर्माण करना।

उद्देश्य

- अंतरराष्ट्रीय रूप से बेहतरीन कार्य पद्धतियों को अपना कर कृषि और सहयोगी क्षेत्रों में उद्योग की आवष्यकता के अनुसार मांग आधारित प्रषिक्षण प्रदान करना।
- एनएसक्यूएफ के अनुरूप विभिन्न कार्य भूमिकाओं के लिए उद्योग मानकों के अनुसार योग्यता पैक (क्यूपी) और राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनओएस) का विकास करना।
- युनीक भौगोलिक जरूरतों को पूरा करने के लिए विषेष कलस्टर आधारित कौषल योजना का विकास।
- नवीनतम ज्ञान और कौषलों का निर्माण करने के लिए प्रषिक्षकों, मास्टर प्रषिक्षकों और प्रषिक्षण मूल्यांकनकर्ताओं का प्रषिक्षण ।
- मानक नियमों के अनुरूप व्यावसायिक संस्थानों/कार्यक्रमों को मान्यता प्रदान करना, प्रमाणन करना, मूल्यांकन करना और प्रमाणपत्र प्रदान करना।
- कौषल आधारित व्यावसायिक षिक्षा और प्रषिक्षण का समर्थन करना और बढावा देना।
- व्यक्तिगत विकल्पों और सीखने में सहायता करने के लिए कौषल भण्डार का विकास करना।
- कुषल कार्यषक्ति और वर्तमान कार्यों के लिए मांग का अनुमान लगाने के लिए व्यवस्थित श्रम बाजार सूचना तंत्र (एलएमआईएस) को स्थापित करना।

हम क्या करते हैं

एलएमआईएस

- कौषल की कमी की पहचान करके क्षेत्र आधारित जरूरतों और मांगों का मूल्यांकन
- श्रम बाजार की जरूरतों के अनुसार प्रषिक्षण के लिए समूचित आपूर्ति और मांग
- इकोसिस्टम में सभी भागीदारों के लाभ के लिए सूचना का विश्लेषण करना और सांझा करना

क्यूपी–एनओएस

- क्यूपी और एनओएस के रूप में ज्ञान और कौषलों को परिभाषित करके वांछित कार्य प्रदर्षन का विस्तृत विवरण
- एनएसक्यूएफ के अनुरूप क्यूपी–एनओएस के अनुसार प्रषिक्षण पाठ्यक्रम, विषयवस्तु का विकास और मूल्यांकन

मान्यता और प्रमाणन

- प्रषिक्षण भागीदार के प्रस्ताव का मूल्यांकन करना और मान्यता प्रदान करना
- विशिष्ट एनओएस पर आधारित प्रषिक्षण पाठ्यक्रम का विकास
- गुणवत्तापूर्ण प्रषिक्षण के लिए प्रषिक्षण भागीदारों की सहायता करना

मूल्यांकन और प्रमाणपत्र

- मूल्यांकन करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का विकास
- मूल्यांकन मानदण्ड और प्रष्न बैंकों का विकास करना
- प्रषिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवारों को प्रमाणपत्र देना

हमारे लाभार्थी

उद्योग

- कार्य के अनुसार उद्योग में काम करने के लिए तैयार प्रषिक्षित कार्य शक्ति
- युवाओं को षिक्षुओं के रूप में काम करने का विकल्प
- पूर्व में अनौपचारिक ज्ञान की पहचान (आरपीएल)
- उत्पादकता और गुणवत्तापूर्ण आउटपुट में बढोतरी
- नवीनतम अनुसंधान परिणाम और तकनीकी का प्रयोग

कर्मचारी

- सही योग्यताओं के माध्यम से रोजगारपरकता में सुधार
- आरपीएल के माध्यम से कौषलों और क्षमताओं की पहचान
- कैरियर में उन्नति
- क्षमताओं का पुनः निर्माण और कौषलों के स्थानांतरण (एक क्षेत्र के कौषल को दूसरे क्षेत्र में प्रयोग करना) की योग्यता
- कार्य सुरक्षा को बढाने के लिए विभिन्न कौषलों का विकास

किसान

- आय और उत्पादकता में बढोतरी
- क्षमता और गुणवत्ता के लिए नवीनतम तकनीकी की उपलब्धता
- प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम में कमी
- व्यापारिक योग्यताओं का विकास
- सूचना और ऋण उपलब्धता व बाजार से जुड़ाव
- डिजिटल डिवाइसों के माध्यम से निरंतर ज्ञान

शिक्षा क्षेत्र

- स्कूल स्तर से व्यवसायिक विकल्पों के बारे में जागरुकता
- संस्थान – उद्योग सहयोग के अवसर
- उद्योग आधारित रिसर्च और परिणामों का प्रयोग
- विद्यार्थियों के लिए रोजगार योग्यता विकल्पों में बढोतरी
- पढाई के साथ जीवनयापन और सीखना

विद्यार्थी / बेरोजगार युवा

- ऐसे कौषलों को प्राप्त करने का अवसर जिनसे नौकरी मिल सके
- प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के लिए प्रेरणा और पढ़ाई छोड़ चुके युवाओं की

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के अंतर्गत कार्य

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत एएससीआई प्रमुख योजना प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) का संचालन कर रहा है जिसका उद्देश्य बड़ी संख्या में भारतीय युवाओं को उद्योग से संबंधित कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने के योग्य बनाना है जो एक बेहतर जीवनयापन को प्राप्त करने में उनकी सहायता करेगा। पूर्व में ज्ञान और कौशलों का अनुभव रखने वाले लोगों की पहचान (आरपीएल) के अंतर्गत मूल्यांकन किया जाएगा और प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

एमएसडीई विभिन्न घटकों अर्थात सीएससीएम, सीएसएसएम, विशेष परियोजनाओं और आरपीएल के अंतर्गत पीएमकेवीवाई कार्यक्रम का विस्तार करता है।

एसएससीआई – इकोसिस्टम			
भागीदार और केंद्र	**शिक्षण संस्थान/भागीदार**	**मानदण्ड, पाठ्यक्रम और विशयवस्तु**	**प्रशिक्षण**
667 प्रषिक्षण भागीदार	23 राज्यों में 1,656 स्कूल	186 क्वालीफिकेषन पैक	कुल प्रषिक्षित लोग : 13,35,093
811 प्रषिक्षण केंद्र	221 व्यवसायिक संस्थान (यूजीसी से मान्यता प्राप्त)	186 पाठ्यक्रम	कुल प्रषिक्षित लोगः 11,41,876
5,728 प्रषिक्षण केंद्र	51 पॉलिटेक्निकल (एआईसीटीई)	8 क्षेत्रों सहित व्यावसायिक मानचित्र	कुल प्रमाणितः 9,61,789
718 प्रमाणित मूल्यांकनकर्ता	50 कृषि विष्वविद्यालय	48 प्रतिभागी हैंडबुक	13 भाषाओं में प्रषिक्षण और मूल्यांकन
548 उद्योग/सहयोगी सदस्य	11 सीएसआईआर संस्थान	35 सहायक परामर्षदाता	28 राज्यों और 6 केंद्र शासित राज्यों में प्रषिक्षण
5 मूल्यांकन निकाय			

हाल ही में सहकार्यता

- एनएसडीसी और एएससीआई ने हरिद्वार में पतंजलि बायो रिसर्च इंस्टीट्यूट के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए और जैविक खेती और सामूहिक खेती अभ्यासकर्ता कार्यों में 40,000 किसानों के लिए पूर्व ज्ञान की पहचान कार्यक्रम को लॉन्च किया।
- एएससीआई और नेशनल कोलेटरल मैनेजमेंट लिमिटेड (एनसीएमएल) ने आरपीएल, शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग, अप्रेंटिसशिप और इंडस्ट्री वैलिडेशन जैसे कई पहलुओं के लिए एमओयू किया।
- हरियाणा के युवाओं के लिए कम अवधि के प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) के साथ एमओयू
- क्षमता निर्माण के लिए सहायता के साथ साथ एनएसक्यूएफ आधारित कौशल कार्यक्रम प्रदान करने और कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए इग्नू के साथ एमओयू
- नम्पेक्ट नामक प्लेसमेंट एजेंसी के साथ एमओयू जो कुशल उम्मीदवारों को पूरे भारत में प्लेसमेंट के लिए एएससीआई के मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण भागीदारों को सहायता प्रदान करती है।

प्रशिक्षकों और मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

एएससीआई विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में विभिन्न कार्यों के लिए नियमित आधार पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) और मास्टर प्रशिक्षकों (टीओएमटी) का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है जिसका उद्देश्य एनएसक्यूएफ के अनुसार उनके पसंदीदा क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने के कौशलों में सुधार करना है।

बीएयू सबौर में टीओटी

टीओटी और टीओएमटी कार्यक्रमों की संख्या	303
प्रमाणित प्रषिक्षकों की संख्या	9,061

टीओटी कार्यक्रम किस प्रकार प्रशिक्षकों की सहायता करता है

- डोमेन क्यूपी और प्रतिभागी हैंडबुक में एक एनओएस के भागों को समझना और पहचान करना
- प्रभावी प्रषिक्षण के लिए क्वालिटी सिस्टमों, नियमों और सुरक्षा कार्य पद्धतियों की अनुपालना करना
- व्यावसायिक विकास की जरूरतों का निर्धारण करना और विकास योजना तैयार करना
- क्षमता आधारित प्रषिक्षण सत्रों को डिजाइन करना, योजना बनाना और प्रदान करना
- सीखने की आवष्यकताओं के लिए तैयार प्रभावी प्रषिक्षण को प्रस्तुत करना
- विषेष जरूरतों वाले छात्रों की पहचान, सहायता और प्रषिक्षण

कानपुर में टीओएमटी

टीओएमटी कार्यक्रम किस प्रकार मास्टर प्रशिक्षकों की सहायता करता है

- प्रषिक्षण, सहायता और सीखने की पद्धतियों का विकास और बढोतरी
- सीखने के सत्रों में सहायता; मूल्यांकन के माध्यम से कार्य में सुधार
- उचित षिक्षण विधियों, सीखने की तकनीकों और आईसीटी के प्रयोग में सहायता

स्कूल, कॉलेज और युनिवर्सिटी स्तर पर सहकार्यता

स्कूल

एएससीआई ने भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय के समग्र षिक्षा अभियान के अंतर्गत विभिन्न राज्य सरकारों के सहयोग से कक्षा 9 से 12 स्कूलों के लिए एनएसक्यूएफ आधारित कार्यक्रम शुरू किया है (एनएसक्यूएफ स्तर 4 के बराबर)। एएससीआई योग्यता पैक (क्यूपी) के अनुसार प्रषिक्षण प्रदान करता है, मूल्यांकन करता है और छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान करता है और इसके अतिरिक्त राज्य षिक्षा बोर्डों की सहायता करता है।

राज्य	स्कूलों की संख्या
महाराष्ट्र	235
हिमाचल प्रदेश	185
उडीसा	168
मध्य प्रदेश	156
छत्तीसगढ	124
हरियाणा	121
पंजाब	108
असम	96
आंध्र प्रदेश	92
राजस्थान	62
तमिलनाडु	60
झारखंड	48
तेलंगाना	36
केरल	36
सिक्किम	30
पश्चिम बंगाल	28
जम्मू और कश्मीर	23
गोवा	16
गुजरात	13
उत्तराखंड	10
नगालैंड	4
मिजोरम	3
अंडमान और निकोबार	2
कुल 1,656 स्कूल कृषि पाठ्यक्रम चला रहे हैं	

कॉलेज

एएससीआई 221 कॉलेजों के साथ काम करती है जो कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। एएससीआई ने 9,013 छात्रों को विभिन्न कोर्सों में प्रवेश दिया है। सभी कोर्स स्तर 4 से स्तर 7 तक क्यूपी–एनओएस के अनुसार हैं।

युनिवर्सिटी

एससीआई ने विभिन्न युनिवर्सिटी और सीएसआईआर संस्थानों के साथ एमओयू किए हैं ताकि वे अपने कम अवधि के कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए भारत सरकार के नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क के अनुसार एएससीआई द्वारा विकसित योग्यता पैक के अनुरूप बना सकें।

कृषि/बागवानी युनिवर्सिटीः

1. पंजाब एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (पीएयू), लुधियाना
2. तामिलनाडु एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (टीएनएयू), कोयम्बटोर
3. उड़िसा युनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टेक्नोलॉजी (ओयूएटी), भूवनेश्वर
4. युनिवर्सिटी ऑफ होर्टिकल्चर साइंसिज (यूएचएस), बागलकोट
5. इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी), रायपुर, छत्तीसगढ़
6. युनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड होर्टिकल्चर साइंसिज (यूएएचएस), शिमोगा
7. सेंट्रल एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (सीएयू), मणीपुर
8. प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना स्टेट एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (पीजेटीएसएयू), हैदराबाद
9. चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (सीसीएचएयू), हिसार
10. बांदा युनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टेक्नोलॉजी (बीयूएटी), बांदा
11. महाराणा प्रताप युनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टेक्नोलॉजी (एमपीयूएटी), उदयुर
12. नवसारी एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (एनएयू), नवसारी
13. बिहार एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (बीएयू), साबौर, भागलपुर
14. जी. बी. पंत युनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टेक्नोलॉजी (जीबीपीयू एण्ड एटी), पंतनगर
15. बिरसा एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (बीएयू), रांची
16. डॉ. वाइएसआर होर्टिकल्चर युनिवर्सिटी (बीएयू), आंध्र प्रदेश
17. डॉ. यशवंत सिंह परमार युनिवर्सिटी ऑफ होर्टिकल्चर एण्ड फोरेस्टरी (वाइएसपीयूएचएफ), सोलन
18. युनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंसिज (यूएएस), धारवाड़
19. केरला एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (केएयू), केरला
20. जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय (जेएनकेवीवी), जबलपुर
21. राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय (आरवीएसकेवीवी), ग्वालियर
22. सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय (सीएसके एचपीकेवी), पालमपुर
23. बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय (बीसीकेवी), पश्चिमी बंगाल
24. आचार्य एन जी रंगा एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (एएनजीआरएयू), गुंटुर
25. स्वामी केशवानंद राजस्थान एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (एसकेआरएयू), बिकानेर
26. सरदार वल्लभभाई पटेल युनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टेक्नोलॉजी (एसवीपीयूएटी), मेरठ
27. जुनागढ़ एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (जेएयू), जुनागढ़
28. श्री करण नरेंद्र एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (एसकेएनएयू), जबनेर
29. असम एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी (एएयू), जोरहाट
30. महाराणा प्रताप होर्टिकल्चर युनिवर्सिटी (एमएचयू), करनाल
31. नरेंद्र देव युनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टेक्नोलॉजी (एनडीयूएटी), फैजाबाद
32. युनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंसिज, रायचुर
33. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होर्टिकल्चर रिसर्च, बंगलुरु
34. डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण विद्यापीठ, दापोली

पशु चिकित्सा/जंतु विज्ञान/मछली पालन युनिवर्सिटी

1. गुरु अंगद देव वेटरिनरी एण्ड एनिमल साइंसिज युनिवर्सिटी (जीएडीवीएएसयू), लुधियाना
2. तमिलनाडु वेटरिनरी एण्ड एनिमल साइंसिज युनिवर्सिटी (टीएएनयूवीएएस), चेन्नई
3. तमिलनाडु फिषरीज युनिवर्सिटी (टीएनएफयू), नागापट्टीनम
4. वेस्ट बंगाल युनिवर्सिटी ऑफ एनिमिल एण्ड फिषरीज साइंसिज (डबल्यूबीयूएएफएस), कोलकाता
5. यू.पी. पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विष्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान (डीयूवीएएसयू), मथुरा
6. महाराष्ट्र एनिमल एण्ड फिषरीज साइंसिज युनिवर्सिटी (एमएएफएसयू), नागपुर
7. केरल वेटरिनरी एण्ड एनिमल साइंसिज युनिवर्सिटी (केवीएएसयू), केरल
8. श्री वेंकटेष्वर वेटरिनरी युनिवर्सिटी (एसवीवीयू) तिरुपति
9. लाला लाजपत राय युनिवर्सिटी ऑफ वेटरिनरी एण्ड एनिमल साइंसिज, हिसार
10. राजस्थान युनिवर्सिटी ऑफ वेटरिनरी एण्ड एनिमल साइंसिज (आरएजेयूवीएएस), बिकानेर
11. नानाजी देषमुख वेटरिनरी साइंस युनिवर्सिटी (एनडीवीएसयू), जबलपुर
12. नेषनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनडीआरआई), करनाल
13. कर्नाटक वेटरिनरी, एनिमल एण्ड फिषरीज साइंसिज युनिवर्सिटी (केवीएएफएसयू), कर्नाटक
14. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिषरीज एजुकेषन (सीआईएफई), मुम्बई
15. छत्तीसगढ़ कामधेनु विष्वविद्यालय (सीजीकेवी), अंजोरा
16. बिहार एनिमल साइंसिज युनिवर्सिटी (बीएएसयू), पटना
17. केरल युनिवर्सिटी ऑफ फिषरीज एण्ड ऑषियन स्टडीज (केयूएफओएस), कोच्चि

सीएसआईआर

1. सीएसआईआर – नैषनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑषियनोग्राफी (सीआईएसआर –एनआईओ), गोआ
2. सीएसआईआर– इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायोरिसॉर्स टेक्नोलॉजी (सीएसआईआर–आईएचबीटी), पालमपुर
3. सीएसआईआर– इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टोक्सिकोलॉजी रिसर्च (सीएसआईआर–आईआईटीआर), लखनऊ
4. सीएसआईआर–सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रुमेंट्स ऑर्गेनाइजेषन (सीएसआईआर–सीएसआईओ), चंडीगढ़
5. सीएसआईआर– नैषनल बॉटनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएसआईआर–एनबीआरआई), लखनऊ
6. सीएसआईआर–इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन (सीएसआईआर–आईआईआईएम), जम्मू
7. सीएसआईआर – नैषनल इंस्टीट्यूट फॉर इंटरडिसिप्लिनरी साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी (सीएसआईआर–एनआईआईएसटी), तिरुवनंतपुरम
8. सीएसआईआर – एडवांस्ड मैटेरियल एण्ड प्रोसेसिज रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएसआईआर–एएमपीआरआई), भोपाल

सरकारी विभागों और संस्थानों के साथ सहयोग

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

एएससीआई कृषि मंत्रालय के तीन प्रमुख विभागों अर्थात कृषि एवं सहकारिता विभाग (डीएसी), पशुपालन, डेयरी और मछलीपालन विभाग (डीएडीएफ) और आईसीएआर के साथ मिल कर काम कर रहा है। सहयोग के प्रमुख क्षेत्र हैं:

- उच्च रोजगारपरकता/कार्यों वाले क्षेत्रों की पहचान और उसके बाद इसके लिए एनओएस और प्रषिक्षण मॉड्यूल का विकास करना
- जहां भी संभव हो प्रषिक्षकों के प्रषिक्षण के लिए डीएसी एवं एफडबल्यू/डीएडीएफ/आईसीएआर की बुनियादी ढांचे का अधिकतम उपयोग करना
- एएससीआई और मंत्रालय के बीच उप–क्षेत्र विषेष के कौषलों की कमियों का अध्ययन करने के लिए सहयोग
- आरकेवीवाई या अन्य संबंधित स्कीम के माध्यम से प्रस्तावों के प्राप्त होने के बाद उत्कृष्टता केंद्र की सहायता करना
- हाल ही में सेवानिवृत हुए उन अधिकारियों की सूची प्रदान करना जिनका मूल्यांकन टीपी और मूल्यांकन निकायों द्वारा प्रषिक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं के रूप में किया जा सकता है।

- **आईसीएआर–केवीके के साथ सहयोग**

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने अपनी राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के माध्यम से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और कृषि सहयोग एवं किसान कल्याण विभाग के अंतर्गत विभिन्न संस्थानों को कौषल प्रसार के लिए शामिल किया।

उचित रूप से अधिकतम उपलब्धता के लिए आईसीएआर के तत्वाधान में काम करने वाले 405 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) को चुना गया। कौषल निर्माण कार्य को आवष्यक गति देने के लिए अन्य 29 डीएसी और एफडबल्यू, 12 डीएडीएफ, 47 आईसीएआर और 32 एसएयू संस्थानों को चुना गया। एएससीआई इस पहल में निम्न के द्वारा भागीदारी कर रहा है:

- कौषल निर्माण केंद्रों के रूप में मान्यताप्राप्त केवीके द्वारा बुनियादी ढांचे का अधिकतम उपयोग
- एनएसक्यूएफ के अनुसार विकसित सामान्य कोर्स पाठ्यक्रम के अनुरूप केवीके के कम अवधि के प्रषिक्षण कार्यक्रम
- पूर्व ज्ञान की पहचान (आरपीएल) के अंतर्गत किसान समूहों/प्रगतिषील किसानों को प्रमाणपत्र दिलवाना
- एसएससी के माध्यम से वयस्क षिक्षा/षिक्षाषास्त्र और अनुदेषनात्मक डिजाइन के संबंध में केवीके प्रषिक्षकों के प्रषिक्षण की संभावना

रक्षा मंत्रालय

एएससीआई विभिन्न कार्यों में सेवानिवृत सैनिकों के प्रशिक्षण के लिए भारतीय सेना के कुछ रेजिमेंटल सेंटरों के साथ कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य सैनिकों को दूसरे कैरियर के लिए प्रशिक्षकों, मूल्यांकनकर्ताओं और उद्यमियों के रूप में भी तैयार करना है।

- भारतीय सेना के लिए एएससीआई ने विभिन्न रेजिमेंटल केंद्रों पर 9 कम अवधि के प्रशिक्षण कोर्स आयोजित किए हैं
- रिमाउंट और वेटरिनरी कोर (आरवीसी) के कुछ कार्यों की रुपरेखा बनाई गई है ताकि प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा सके।
- भारतीय नौसेना ने मौसम एवं जोखिम प्रबंधन पर उनके कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए एएससीआई से सम्पर्क किया है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय

एएससीआई ने ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित प्रषिक्षुओं के लिए बेयरफुट तकनीषियन के कार्य में परिणाम आधारित प्रषिक्षण, मूल्यांकन और प्रमाणन की शुरूआत के लिए भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के मनरेगा विभाग के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। ये 3 महिने के रेजिडेंषियल प्रषिक्षण हैं इसे उनके संस्थानों अर्थात राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी) द्वारा दिया जा रहा है।

लगभग हर राज्य के पास अपना एक एसआईआरडी है जो एएससीआई से प्रमाणित प्रषिक्षण प्रदाता हैं। सफलतापूर्वक प्रषिक्षण करने के बाद सभी प्रमाणित उम्मीदवारों को मनरेगा (मनरेगा के कार्यों को लागू करने के लिए पंचायतों के लिए एक तकनीकी संसाधन) के अंतर्गत स्थानीय पंचायतों द्वारा नियुक्त किया जाता है।

आज तक एएससीआई 20 राज्यों में 8,519 उम्मीदवारों को प्रषिक्षित कर चुका है।

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय

कौषल विकास और उद्यमिता मंत्रालाय (एमएसडीई) के माध्यम से वन संबंधी प्रषिक्षण कार्यक्रमों को एनएसक्यूएफ के अनुरूप बनाने के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के साथ बातचीत कर रहा है। ये मुख्य रूप से कृषि वानिकी और गैर लकड़ी उत्पाद से संबंधित हैं।

क्वालीफिकेशन पैक (क्यूपी) और राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस)

कार्यशक्ति की उत्पादकता और खेतों से पैदावार को बढाने के लिए कार्य आधारित मानकों के अनुसार प्रशिक्षण को डिजाइन करना और प्रदान करना महत्वपूर्ण है। योग्यता पैक (क्यूपी) और राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस) उद्योग के मानदण्ड हैं जिन्हें संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ गहन वार्ता करके तैयार किया गया है।

फार्म मशीनीकरण और सटीक खेती

1. कृषि मशीनरी प्रदर्शक
2. कृषि मशीनरी ऑपरेटर
3. कृषि मशीनरी मरम्मत और रखरखाव सेवा प्रदाता
4. कस्टम हायरिंग सर्विस प्रोवाइडर
5. फार्म कार्यशाला फोरमैन पर्यवेक्षक
6. फार्म कार्यशाला प्रबंधक
7. ग्रीनहाउस फिटर
8. ग्रीनहाउस ऑपरेटर
9. हार्वेस्टिंग मशीन ऑपरेटर
10. सिंचाई सेवा तकनीशियन
11. सूक्ष्म सिंचाई तकनीशियन
12. ऑपरेटर– रीपर, थ्रेशर और फसल अवशेष मशीनरी
13. कीटनाशक और उर्वरक एप्लिकेटर
14. सेवा और रखरखाव तकनीशियन–कृषि मशीनरी
15. सोलर पंप तकनीशियन
16. ट्रैक्टर मैकेनिक
17. ट्रैक्टर ऑपरेटर
18. चावल ट्रांसप्लांटर मशीन ऑपरेटर सह मैकेनिक

कृषि फसल उत्पादन

19. धान किसान
20. मक्का कल्टीवेटर
21. दलहन कल्टीवेटर
22. गेहूं की खेती करने वाला
23. कपास की कल्टीवेटर
24. सोयाबीन कल्टीवेटर
25. गन्ना किसान
26. जूट और मेस्टा कल्टीवेटर
27. जैविक उत्पादक
28. फार्म मैनेजर
29. फार्म पर्यवेक्षक
30. खेत मजदूर

उत्पादन बागवानी

31. बल्ब फसल कल्टीवेटर
32. खट्टे फल उत्पादक
33. नारियल उत्पादक
34. कॉफी बागान कार्यकर्ता
35. धनिया कल्टीवेटर'
36. आवश्यक तेल निकालने वाला
37. फूलों की खेती–खुली खेती
38. फूलों की खेती–संरक्षित खेती
39. फ्लावर हैंडलर–पैकेजिंग और पैलेटाइजिंग
40. नारियल के पेड़ के मित्र
41. आम उत्पादक
42. केला किसान
43. औषधीय पौधे उत्पादक
44. नीरा तकनीशियन
45. सोलेनेशियस फसल कल्टीवेटर
46. चाय बागान कार्यकर्ता
47. कंद फसल कल्टीवेटर
48. दाख की बारी उत्पादक
49. दाख की बारी कार्यकर्ता
50. मिर्च कल्टीवेटर'
51. मसाला फसल कल्टीवेटर
52. मखाना उत्पादक सह प्रोसेसर
53. बाग कार्यकर्ता
54. शीतोष्ण फल उत्पादक
55. सब्जी उत्पादक
56. उष्णकटिबंधीय/उपोष्णकटिबंधीय फल उत्पादक
57. बागवान–संरक्षित खेती

सुविधा बागवानी और भूनिर्माण

58. सहायक आंतरिक लैंडस्केपर
59. सहायक माली
60. सहायक ग्राउंडकीपर
61. फूलवाला
62. माली
63. हाइड्रोपोनिक्स तकनीशियन
64. आंतरिक लैंडस्केपर
65. नर्सरी कार्यकर्ता
66. रूफटॉप माली
67. माली सह नर्सरी रायसर
68. हेरिटेज गार्डनर
69. बागवानी पर्यवेक्षक

कृषि–सूचना प्रबंधन

70. कृषि विस्तार सेवा प्रदाता
71. कृषि विस्तार कार्यपालक
72. कृषि क्षेत्र अधिकारी
73. सामुदायिक सेवा प्रदाता

पशुपालन

74. पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
75. कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
76. बकरी किसान
77. सुअर पालन किसान
78. पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
79. पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक

डेयरी फार्म प्रबंधन

80. बल्क मिल्क कूलर (बीएमसी) ऑपरेटर
81. द्रुतशीतन संयंत्र तकनीशियन
82. डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
83. डेयरी किसान– उद्यमी
84. डेयरी कर्मचारी
85. दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
86. दूध परीक्षक
87. ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रहण केन्द्र प्रभारी

घोड़े का प्रबंधन

88. स्टड फार्म वर्कर
89. हॉर्स ट्रेनर
90. सहायक इक्वाइन ब्रीडर
91. इक्वाइन फ़रियर
92. इक्वाइन ग्रूम

पोल्ट्री फार्म प्रबंधन

93. ब्रायलर फार्म पर्यवेक्षक
94. ब्रॉयलर फार्म वर्कर
95. चिक सेक्सिंग और ग्रेडिंग टेक्निशियन
96. मछली पालने का जहाज़ प्रभारी–पोल्ट्री
97. लेयर फार्म वर्कर
98. पोल्ट्री फार्म मैनेजर
99. पोल्ट्री फीड, खाद्य सुरक्षा और लेबलिंग पर्यवेक्षक
100. पोल्ट्री शेड डिजाइनर
101. हैचरी संचालक
102. छोटे कुक्कुट किसान

मछली पालन

103. मरीन कैप्चर फिशरमैन कम प्राइमरी प्रोसेसर
104. एक्वाकल्चर तकनीशियन
105. जलीय कृषि कार्यकर्ता
106. एक्वेरियम तकनीशियन
107. जलीय पशु स्वास्थ्य लैब सहायक
108. खारे पानी के जलीय कृषि किसान
109. केकड़ा किसान
110. फ़ीड तकनीशियन
111. मछली खुदरा विक्रेता
112. मछली बीज उत्पादक
113. मछली पकड़ने की नाव डेकखंड
114. मछली पकड़ने की नाव _एसएमवी 20 से कम ओएलू
115. मछली पकड़ने की नाव रखरखाव कार्यकर्ता
116. मछली पकड़ने की नाव मैकेनिक
117. मत्स्य पालन उपकरण तकनीशियन (इलेक्ट्रॉनिक्स)
118. मत्स्य पालन गियर तकनीशियन
119. मीठे पानी के जलीय कृषि किसान
120. हैचरी प्रबंधक
121. हैचरी उत्पादन कार्यकर्ता (मत्स्य पालन)
122. अंतर्देशीय कब्जा मछुआरे सह प्राथमिक प्रोसेसर
123. मैरीकल्चर ऑपरेटर
124. सजावटी मछली तकनीशियन
125. पर्ल कल्चर तकनीशियन
126. झींगा किसान
127. एक्वाकल्चर फैब्रिकेटर
128. मत्स्य विस्तार सहयोगी
129. डीप सी फिशर
130. ठंडे पानी एक्वाकल्चर किसान
131. समुद्री शैवाल कल्टीवेटर
132. केज कल्चर मछली किसान

बीज उद्योग खंड

133. गुणवत्ता बीज उत्पादक
134. बीज विश्लेषण कार्य प्रभारित
135. बीज संयंत्र उत्पादन पर्यवेक्षक
136. बीज प्रसंस्करण संयंत्र तकनीशियन
137. बीज प्रसंस्करण कार्यकर्ता

कमोडिटी प्रबंधन

138. एग्री कमोडिटी प्रोक्योरमेंट मैनेजर
139. कृषि वस्तु गुणवत्ता परखकर्ता
140. कृषि अनुसंधान विश्लेषक
141. मैपिंग सर्वेयर का उत्पादन करें
142. कमोडिटी खाता प्रबंधक
143. इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग सुपरवाइजर–एग्री कमोडिटी
144. जोखिम विश्लेषक प्रबंधक–कृषि कमोडिटी

मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन

145. मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषक
146. मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला सहायक
147. मृदा नमूना–कलेक्टर

फसलोत्तर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

148. सीए स्टोर तकनीशियन
149. कोल्ड स्टोरेज मैनेजर
150. कोल्ड स्टोरेज पर्यवेक्षक
151. कोल्ड स्टोर कीपर
152. पैकहाउस कार्यकर्ता
153. रिपनिंग चैंबर ऑपरेटर
154. मालगोदाम श्रमिक
155. आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्र सहायक
156. कृषि गोदाम पर्यवेक्षक
157. एग्री कमोडिटी फ्यूमिगेशन ऑपरेटर

अन्य सहयोगी

158. बेयरफुट तकनीशियन
159. शहर की मक्खियां पालनेवाला
160. जलवायु परिवर्तन और जोखिम शमन प्रबंधक
161. मशरूम उत्पादक
162. रेशम उत्पादक
163. वर्मीकम्पोस्ट निर्माता
164. प्लांट टिश्यू कल्चर तकनीशियन

वानिकी / कृषि वानिकी

165. बांस उत्पादक
166. वन नर्सरी रायसर
167. लाख कल्टीवेटर
168. गैर–इमारती वनोपज कलेक्टर
169. टिम्बर ग्रोवर

जल विभाजन प्रबंधन

170. वाटरशेड कम्युनिटी मोबिलाइज़र
171. सेवा तकनीशियन–वाटरशेड
172. वाटरशेड सहायक
173. वाटरशेड सलाहकार
174. वाटरशेड प्रबंधक
175. वाटरशेड पर्यवेक्षक
176. वाटरशेड इंजीनियर

कृषि उद्यमिता और ग्रामीण उद्यम

177. कृषि सेवा इनपुट डीलर
178. संस्थान विकास प्रबंधक
179. समूह कृषि व्यवसायी
180. एग्री–क्लिनिक और एग्री–बिजनेस सेंटर मैनेजर

बंदी और छोटे पशु प्रबंधन

181. कैनाइन ब्रीडर
182. कैनाइन ट्रेनर और हैंडलर
183. साथी पशु ग्रूमर
184. चिड़ियाघर पशु रक्षक
185. आवारा पशु पकड़ने वाला
186. प्रयोगशाला पशु परिचारक

राज्यों की भूमिका

कृषि एक राज्य का विषय है इसलिए कई प्रमुख गतिविधियाँ क्षेत्रीय स्तर पर समन्वित करने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, केरल, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, ओडिशा, असम, त्रिपुरा, पुदुचेरी, तेलंगाना, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल की राज्य सरकारों के साथ भागीदारी की है।

उत्तराखंड

एएससीआई ने उत्तराखण्ड कौषल मिषन के साथ सक्रिय सहयोग शुरू किया है। जेल कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है जिसमें एएससीआई ने जैविक खेती में उत्तराखण्ड की तीन विभिन्न जेलों–देहरादून, हरिद्वार और सितारगंज में अल्प अवधि प्रषिक्षण कोर्स आयोजित किए हैं। कृषि विस्तार सेवा प्रदाता में यकेएसडीएम के साथ कुछ बैच भी आयोजित किए। जीबी पंत कृषि विष्वविद्यालय के साथ भी एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र राज्य कौशल विकास सोसाइटी (एमएसएसडी) ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना – पीएमकेवीवाई 2.0 के तत्वावधान में महाराष्ट्र राज्य में छोटे भूमि–धारकों के लिए एक कृषि–कौशल कार्यक्रम (एमएएसपी) लागू किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 2,82,000 छोटे धारक किसानों को समूह कृषि अभ्यास में प्रमाणित करना और उन्हें किसान उत्पादक संगठन बनाने के लिए प्रोत्साहित करना था ताकि वे स्थायी आजीविका और बेहतर आय प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में 3 लाख से अधिक किसानों को उन्मुख किया गया और 2,82,000 किसानों को कार्यक्रम के दौरान लक्ष्य के रूप में सफलतापूर्वक प्रमाणित किया गया।

पश्चिम बंगाल

एएससीआई ने कौशल विकास के लिए पश्चिमी बंगा सोसायटी (पीबीएसएसडी) के साथ राज्य की माननीय मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। एएससीआई कृषि और सहयोगी क्षेत्र के भागीदारों को एक सामान्य मंच पर ला कर राज्य में कौषल विकास को बढावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और सफलतापूर्वक पश्चिमी बंगाल के पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय और विधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय के साथ सहयोग कर चुका है।

मध्य प्रदेश

एएससीआई ने कृषि और सहयोगी क्षेत्रों में कौशल विकास के लिए मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास मिशन (एमपीएसएसडीएम) के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एमओयू कौशल विकास आधारित एनएसक्यूएफ और कृषि और सहयोगी क्षेत्रों में मूल्यांकन और प्रमाणन के लिए अपनाए जाने वाले उद्योग द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व्यावसायिक मानको के अनुसार कार्य आधारित क्षमता निर्माण के लिए सहायक होगा।

उड़ीसा

उड़ीसा को विभिन्न प्रकार के जल निकायों से लेकर विविध कृषि जलवायु क्षेत्र के साथ प्राकृतिक वनस्पतियों से लेकर कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में क्लस्टर विकास का अवसर प्रदान करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का आशीर्वाद प्राप्त है। आत्मानिभर होने के लिए प्रत्येक जिले के अपने जनसांख्यिकीय लाभ हैं। एएससीआई ने कृषि क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों के साथ पारंपरिक मिश्रण द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम को प्रोत्साहित करने की योजना बनाई है। एएससीआई अन्य हितधारकों को कौशल विकास के लिए एक साझा मंच पर लाकर ओडिशा कौशल विकास प्राधिकरण (ओएसडीए) के साथ मिलकर काम कर रहा है।

पंजाब

2018 से डेयरी स्किलिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रोजेक्ट एमओओओ लॉन्च किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त के साथ संगरूर और पटियाला जिले में उदय स्किल्स द्वारा डेयरी किसानों के लिए सीएसआर के तहत प्रोजेक्ट एमओओओ का उद्घाटन।

जम्मू और कश्मीर

एएससीआई ने शेर–ए–कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एएससीआई कृषि और संबद्ध क्षेत्र के हितधारकों को एक साझा मंच पर लाकर राज्य में कौशल विकास में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजस्थान

एएससीआई ने कृषि और सहायक क्षेत्रों में कार्यों में यूपीएसडीएम प्रयोजित प्रशिक्षुओं के लिए क्वालीफिकेशन पैक और राष्ट्रीय व्यवसायिक मानको के अनुसार प्रशिक्षण, मूल्यांकन और प्रमाणन आधारित परिणामों के लिए राजस्थान कौशल एवं जीवनयापन विकास कार्पोरेशन (आरएसएलडीसी) के साथ समझौता किया। हम पीएमकेवीवाई के राज्य घटक के अंतर्गत इन कार्यक्रमों को बढाने का प्रस्ताव रखते हैं।

राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा के अनुसार समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत राजस्थान में 62 स्कूलों में कृषि क्षेत्र के अंतर्गत माइक्रो इरिगेशन तकनीसियन के कार्य में प्रशिक्षण की शुरूआत की गई।

बिहार

उम्मीद की जाती है कि हमारे देश का दूसरी हरित क्रांति भारत के पूर्वी क्षेत्र में शुरू होगी और बिहार इसका केंद्र होगा। बिहार कौशल विकास मिशन (बीएसडीएम) ने राज्य कौशल विकास मिशन योजना के अंतर्गत अपने बैचों की शुरूआत कर दी है और उन्होंने 34 कृषि कार्य भूमिकाओं को शामिल किया है। एएससीआई ने बिहार कृषि विश्वविद्यालय, साबौर में 2018 में 20 कार्य भूमिकाओं के लिए रिकॉर्ड 203 प्रतिभागियों के लिए सफलतापूर्वक 10 दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया है जो कि एक सबसे बड़ा टीओटी कार्यक्रम है।

बीएयू सबौर में टीओटी

झारखण्ड

एएससीआई ने झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसायटी (जेएसडीएमएस) के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। झारखण्ड एक अवसरों का राज्य है और इसे विभिन्न कृषि –मौसमों और जनसंख्या क्षेत्रों में विभाजित किया गया है जिसके आधार पर एएससीआई ने राज्य में कौशल विकास गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की योजना बनाई है। झारखण्ड में आदिवासियों की एक बड़ी आबादी है और एएससीआई ने कुछ विशिष्ट कार्य भूमिकाएँ विकसित की हैं जैसे लाख उत्पादन, रेशम की खेती, गैर–लकड़ी वन उत्पाद संग्राहक और वन नर्सरी पालक, आदि। एएससीआई और जेओएचएआर (झारखण्ड ऑपरच्युनिटीज फॉर हार्नेसिंग रूरल ग्रोथ) ने कृषि कौशल परिणामों में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए हाथ मिलाया है ताकि उत्पादक और घरेलू आय में बढोतरी की जा सके। जेओएचएआर झारखण्ड राज्य जीवनयापन सवंर्धन सोसायटी (जेएसएलपीएस) की एक अग्रणी परियोजना है जो विश्व बैंक द्वारा वित पोशित है। 200,000 से भी अधिक ग्रामीण परिवार और 3,500 किसान उत्पादक समूहों को इस परियोजना से लाभान्वित होने की उम्मीद है।

केरल

केरल एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केएआईसी) ने केरल के 10 जिलों में 42,000 पूर्व प्रशिक्षित उम्मीदवारों के लिए आरपीएल का आयोजन करने के लिए एएससीआई के साथ समझौता किया ताकि नारियल पेड़ के दोस्त (एफओसीटी), सुगंधित और औषधीय (सोलानेसियस) फसल उत्पादक, माली, ट्रैक्टर ऑपरेटर, ट्रैक्टर मैकेनिक की कार्य भूमिकाओं के लिए प्रमाणनपत्र प्रदान किए जा सकें।

एएससीआई ने सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजी, कोच्चि के सहयोग से कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों के फिशरमैन के लिए एक्सपोजर विजिट और व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए ताकि फिशिंग तकनीकी और फसल के बाद प्रोद्योगिकियों का अनुभव प्रदान किया जा सके।

पुरस्कार

एएससीआई ने 27 नवंबर, 2019 को नई दिल्ली में 5वें एसोचैम कौशल शिखर सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र कौशल परिषद का पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार एसोचाम द्वारा स्थापित किया गया था और इसे कौषल विकास एवं उद्यमिता के माननीय राज्य मंत्री श्री अनंत कुमार हेगड़े द्वारा प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार कृषि कौषल परिषद के प्रयासों के लिए दिया गया था जिसने प्रमुख कौषल विकास कार्यक्रमों और शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में स्कूल, कॉलिज और युनिवर्सिटी स्तर पर व्यवसायिक कोर्सों की शुरूआत करने में सहायता की।

सीईओ एएससीआई को सर्वश्रेष्ठ एसएससी पुरस्कार मिला

एग्रिकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया

6ठी मंजिल, प्लॉट नंबरः 10, जीएनजी बिल्डिंग, सेक्टर 44, गुरुग्राम–122004

टेलीफोनः 0124-4670029 / 4814673 / 4814659 ईमेलः info@asci-india.com | वेबसाइटः www.asci-india.com

Follow us on Twitter @ASCI_AgriSkills | Follow us on Facebook @ASCI.INDIA/